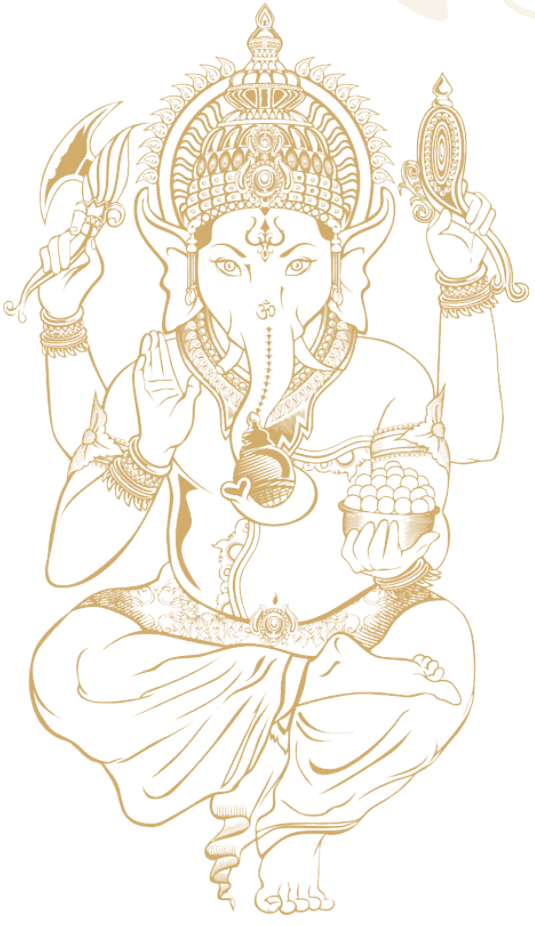

Mr.ashutosh

Aishwarya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120412104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/09/1993	जन्म तिथि	17-18/02/1996
शनिवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 19:55:00	जन्म समय	03:55:00 घंटे
घटी 35:22:58	जन्म समय(घटी)	53:20:35 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Delhi
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:48	सूर्योदय	06:58:48
18:01:23	सूर्यास्त	18:11:57
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:18

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 17वर्ष 7मा 9दि	11:57:44	मेष	लग्न	धनु	12:40:28	चन्द्र 2वर्ष 4मा 2दि
गुरु	01:54:34	कन्या	सूर्य	कुंभ	04:44:24	गुरु
29/04/2011	06:57:25	तुला	चंद्र	मक	20:12:46	22/06/2023
29/04/2027	00:32:07	तुला	मंगल	कुंभ	08:07:32	22/06/2039
गुरु 16/06/2013	17:53:31	कन्या	बुध	मक	09:32:01	गुरु 09/08/2025
शनि 28/12/2015	24:53:48	कन्या	गुरु	धनु	15:47:55	शनि 20/02/2028
बुध 04/04/2018	02:34:51	सिंह	शुक्र	मीन	16:34:43	बुध 28/05/2030
केतु 11/03/2019	01:06:36	कुंभ व	शनि	मीन	00:09:43	केतु 04/05/2031
शुक्र 09/11/2021	11:48:51	वृश्चि व	राहु व	कन्या	24:27:22	शुक्र 02/01/2034
सूर्य 28/08/2022	11:48:51	वृष व	केतु व	मीन	24:27:22	सूर्य 21/10/2034
चन्द्र 28/12/2023	24:29:15	धनु व	हर्ष	मक	08:18:29	चन्द्र 20/02/2036
मंगल 03/12/2024	24:38:21	धनु व	नेप	मक	02:38:15	मंगल 26/01/2037
राहु 29/04/2027	29:33:10	तुला	प्लूटो	वृश्चि	09:13:35	राहु 22/06/2039

लग्न-चलित

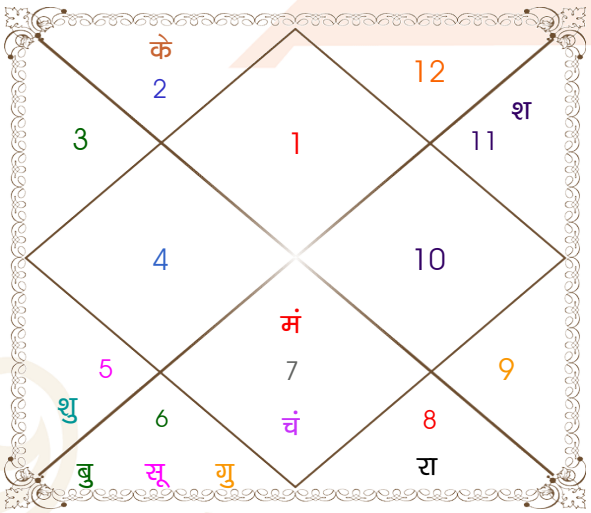

लग्न-चलित

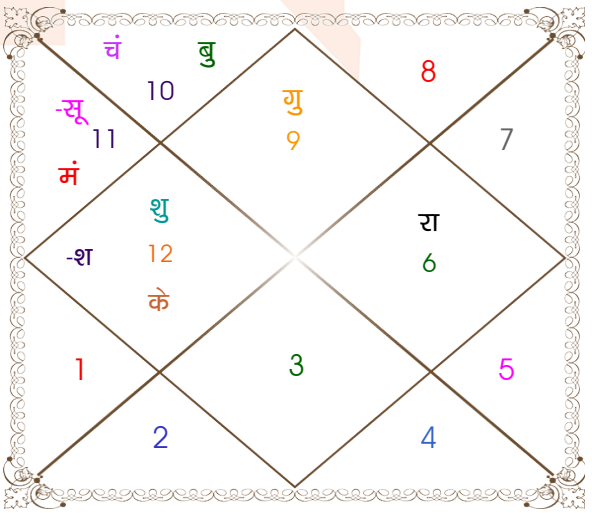

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ।पींूतलं का नक्षत्र श्रवण है।

Mr.ashutosh का वर्ग मृग है तथा ।पींूतलं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.ashutosh और ।पींूतलं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.ashutosh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.ashutosh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।पींूतलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।पींूतलं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

Mr.ashutosh तथा ।र्पीूतलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।